Paper I

BA I, Paper I, General Psychology

प्रत्यक्षीकरण एवं संवेदना में अंतर

प्रत्यक्षीकरण एवं संवेदना दोनों मानसिक ज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ हैं परन्तु संवेदना को सरल मानसिक प्रक्रिया कहते हैं जबकि संवेदना का अर्थ के योग से उत्पन्न ज्ञान को प्रत्यक्षीकरण की संज्ञा दी जाती है। दोनों में निम्नलिखित भिन्नतायें पायी जाती हैं-

(1) संवेदना एक सरल मानसिक प्रक्रिया है जबकि

प्रत्यक्षीकरण एक जटिल मानसिक प्रक्रिया है संवेदन द्वारा व्यक्ति को उपस्थित उत्तेजना का केवल चेतना या आभासमात्र ज्ञान होता है पूर्व ज्ञान का अभाव रहता है। लेकिन, प्रत्यक्षीकरण में उक्त उत्तेजना को मस्तिष्क में पूर्व अनुभवों के रूप में विद्यमान अन्य विभिन्न प्रतीकों के साथ तुलना करके विभेदीकरण का एवं सामान्यीकरण की प्रक्रियाएँ द्वारा एक निश्चित एवं सार्थक रूप में बोध किया जाता है इन प्रक्रियाओं में ग्राहक प्रक्रिया के अतिरिक्त अन्य कई प्रक्रियाएँ जैसे प्रतीकीकरण, भावनात्मक भावात्मक एवं लौकिक अनुभव एवं इकाईकरण की प्रक्रियाएँ होती है। संवेदना में केवल ग्राहक प्रक्रिया होती है अतः प्रत्यक्षीकरण एक जटिल मानसिक प्रक्रिया है।

(2) संवेदना को एक निरर्थक और प्रत्यक्षीकरण को सार्थक अनुभव कहा जा सकता है अर्थात संवेदना में केवल भौतिक विशेषताओं जैसे आकार, प्रकार, रंग, रूप स्पर्श-स्वाद, स्वाद आदि का ही अनुभव होता है प्रत्यक्षीकरण में हम इन विशेषताओं के अर्थ से भिन्न होते हैं अतः प्रत्यक्षीकरण द्वारा उत्तेजना के सार्थक स्वरूप का अनुभव होता है।

(3) व्यस्क व्यक्तियों में विशुद्ध संवेदना नहीं होती है क्योंकि व्यस्क व्यक्तियों में संवेदना

के जाल-माल उपस्थित उत्तेजना के सार्थक स्वरूप का भी ज्ञान होता है अत: मनोवैज्ञानिक ने संवेदना को अमूर्त (abstract) और प्रत्यक्षीकरण को मूर्त (concrete) अनुभव कहा है।

(4) संवेदना केवल उपस्थितिकारी होती है लेकिन प्रत्यक्षीकरण उपस्थितिकारी होने के साथ-साथ प्रतिनिधिकारी है। संवेदना का संबंध केवल उपस्थित उत्तेजनाओं से प्राप्त संवेदी विवरणों के अनुभव से रहता है उनसे संबंधित पूर्व अनुभवों से नहीं। प्रत्यक्षीकरण में उपस्थित उत्तेजनाओं के संवेदी विवरणों का उनसे संबंधित पूर्व अनुभवों दोनों को संगठित करके पूर्ण इकाई के रूप में अनुभव किया जाता है।

(5) किसी उत्तेजना के उपस्थित होने पर सभी व्यक्तियों में संवेदना एक समान होती है अर्थात उन उत्तेजना का प्रत्यक्षीकरण विभिन्न व्यक्तियों को अलग-अलग हो सकता है।

Kumar Patel
Maharaja College Ara